

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—हाण्ड 1 PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 190]

नई विल्ली, बृहर्पतिवार, सितम्बर 29, 1977/ग्राहिबन 7, 1899

No. 190]

NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 29, 1977/ASVINA 7, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती हैं जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 29th September 1977

Subject.—Supplies made to M/s. Kudremukh Iron Ore Co. Ltd.

No. 79-ITC(PN) v77.—It has been decided to grant import licences/Release Orders for raw materials and components required by indigenous producers for the manufacture of equipment and machinery to be supplied by them to M/s. Kudremukh Iron Ore Company Limited These import licences/Release Orders will be issued in consultation with the technical authorities concerned and will be treated as an addition to the normal Actual User entitlement of the applicant permissible under the A.U policy for the year 1977-76 While considering these applications, imports may also be allowed of those items which may be available from indigenous sources but the import of which is considered necessary by the indigenous producer on grounds of quality, price and agreed delivery schedule

2 Indigenous producers, who respond to the tenders invited by M/s Kudremukh Iron Ore Company Limited for supply of equipment and machinery, should clearly indicate in their bids offered, the approximate CIF value of the imported raw materials and components which they would require for the manufacture of equipment/machinery for which they are tendering. If their tender is accepted by this project authority and an order is placed accordingly, an import application for raw materials and components upto such stated value may be made by the successful tenderer to CCI&E, New Delhi (P. L. Section). The

application should inter alia be accompanied by a certificate in original from the Project Authority (in the proforma annexed hereto) to the effect that the contract has been awarded to the applicant for supply of the concerned equipment and goods (to be listed) and that the value for which the connected imports have been requested in the said application is not more than the value set down by the importer while submitting his bid

 All the certificates to be granted by the project authority in the above manner shall be serially numbered by it and signed by its authorised executive (whose specimen signature should be lodged with the office of the CCI&E. New Delhi-P.L. Section in advance) and one copy of the same will be retained by the Project Authority in its own bound records, which shall be preserved and made available for inspection whenever required by the CCI&E or any other Govt, officer authorised by him in this behalf.

ANNEXURE

Serial No.... (from pages . . . of the relevant Register No.,)"

CERTIFICATE

(To be issued by Project Authority)

M/s.... have been awarded contract dated for supply of goods (list attached) to M/s. Kudremukh Iron Ore Company Ltd. in response to tenders invited by this Project (Tender No. dated decided on. ...) In their offer for the supply of the goods mentioned in the attached list, M/s. had in the connected tender bid desired that they may be given the assistance of imported raw materials/components value dat approximately Rs (CIF) required by them for the manufacture of equipment/machinery in question.

2. For execution of the said contract, M/s... are making an application to CCI&E, New Delhi for the import of raw materials/components valued a Rs (CIF) under the Ministry of Commerce Public Notice No. 79-ITC(PN)/77 dated 29th September 1977 It is hereby certified that the value of the items withus applied for is not more than the CIF value mentioned by the party in their tender bid as indicated above

Signature

Place....' ... Date...

Office Seal

(Name in Block Letters)

Designation

Affixed in accordance with Board Resolution No... ... dated......

Note.—The list of goods referred to in para (1) of this Certificate should be signed and stamped by the Project Authority at each page.

K V SESHADRI.

Chief Controller of Imports and Exports.

वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सचना

द्यावात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली. 29 सितम्बर, 1977

विषय. — सर्वश्री कृद्रेम् खायरन स्रोर कं लि को की गई भापूर्ति।

सं० 79-माईटीसी (पी एन) / 77. - यह निश्चय किया गया है कि सर्वश्री कुद्रेमुख मायरन भोर कं । लि । को स्वदेशी उत्पादकों द्वारा संभरित किए जाने वाले उपकरण मधीनरी के विनिर्माण

के लिए श्रपेक्षित कच्चे माल एव सघटको के लिए स्वदेशी उत्पादको को श्रायात लाइसेस/ रिहाई श्रादेश प्रवान किया जाए। ये श्रायात लाइसेस/रिहाई श्रादेश, सम्बद्ध तकनीकी प्राधि-कारियों के साथ परामर्श के पश्चात् जारी किए जाएगे श्रौर इसे 1977-78 की वास्तविक उपयोक्ता नीति के श्रधीन श्रनुमेय श्रावेदक की सामान्य वास्तविक उपयोक्ता हकदारी के लिए श्रतिरिक्त के रूप में माना जाएगा। इन श्रावेदन पत्नो पर विचार करते समय, उन मदों के श्रायात की श्रनुमित भी दी जाए जिन्हें स्वदेशी स्रोतों से प्राप्त किया जा सकता है तरन्तु उन्ही श्रायातों की श्रनुमित दी जाए जो स्वदेशी उत्पादको द्वारा गुणवता मूल्य स्वीकृत सुपूर्वगी श्रनुसूची के श्राधार पर श्रावश्यक समझे जाए।

- 2. वे स्वदेशी उल्पादक जो उपस्कर श्रीर मशीनरी के सभरण के लिए सर्वश्री कुद्रेमुख द्वारा श्रामितत निविदाश्रों के लिए श्रावेदन करते हैं, तो उन्हें चाहिए कि वे उनके द्वारा लगाई गई बोली में स्पष्ट रूप से उन ग्रायातित कच्चे माल ग्रीर मघटकों के लागत-बीमा-भाडा का श्रनुमानित मूल्य जिनकी श्रावश्यकता उपस्कर मशीनरी निर्माण के लिए हैं श्रीर जिसके लिए वे निविदा भर रहे हैं। यदि उनकी निविदा इस परियोजना प्राधिकरण द्वारा स्वीकार कर ली जाती है श्रीर तदनुमार, श्रांडर दे दिया जाता है तो सफल निविदाकार द्वारा कच्चे माल एव सघटकों के लिए एमें सकेतिक मूल्य तक के लिए श्रायात ग्रावेदन पल्ल मु० नि० श्रा० नि०, नई दिल्ली (परियोजना लाइसेस श्रनुभाग) को भेजा जाए। श्रावेदन पल्ल में ग्रन्य बातों के साथ-साथ परियोजना प्राधिकारी में इस संबंध में एक मूल प्रमाण-पत्न (इसमें सलन्न प्रपत्न में) कि ग्रावदक को सबद्ध उपकरण एव माल (सूची दी जानी है) के सभरण के लिए सविदा की स्वीकृति दे दी गई है श्रीर जिस मूल्य के लिए उक्त श्रावेदन-पत्न में श्रायात करने के लिए श्रावेदन किया गया है वह श्रायातक द्वारा बोली प्रस्तुत करते समय उसके द्वारा निर्धारित किए गए मूल्य से ज्यादा नहीं है।
- 3. परियोजना प्राधिकारियो द्वारा उपर्युक्त ढग से दिए जाने वाले सभी प्रमाण-पत्नो पर क्रमवार संख्या दी जानी चाहिए ग्रौर प्राधिकृत व्यवस्थापक द्वारा हस्ताक्षरित किया जाना चाहिए (उनके हस्ताक्षर के नमूने पहले से ही मु० नि० ग्रा० नि० का कार्यालय, नई दिल्ली परियोजना लाइसेंस श्रनुभाग मे रख लिया जाना चाहिए) ग्रौर इसकी एक प्रति परियोजना प्राधिकारियो द्वारा श्रपने रिकार्ड के लिए रख ली जाएगी, जिसे सुरक्षित रखा जाएगा ग्रौर जब भी मु० नि० ग्रा० नि० या इस सबध में उनके द्वारा प्राधिकृत किमी ग्रन्य सरकारी श्रिधकारी द्वारा निरीक्षण के लिए मार्ग जाने पर उपलब्ध कराया जाएगा।

प्रमुखन्ध

कम सख्या		•
(सगत र्राजस्टर सख्या .		•
के पृष्ठ	से)	

प्रमाण पत्र

(परियोजना प्राधिकारी द्वारा जारी किया जाना है)

	इस	परिय	ोजना	द्वारा	श्राम	व्रित	निविदा	के	जवाद	मिं	(निवि	वा स	ख्या .		
	٠.		1	दिनांक	٠.				. को	निष	वय लि	या ग	या)	सर्वश्री	कुद्रेम् ख
ग्रायरन	भ्रोर	कं०	लि०	को	(संल	न सूप	वी) वस	सुम्रो	कि	संभरष	ग के	लिए	दिन	ाक	
					को	सर्वश्र	ì							. को	सविदा

मुख्य नियंत्रक, श्रायात-नियति ।

	केतित वस्तुग्री के सभरण के प्रस्ताव में सर्वश्री
	. ने संबंधित निविदा बोली मे यह इच्छा व्यक्त
	ानरी के विनिर्माण के लिए श्रपेक्षित श्रायातित कच् षे
माल/संघटकों के लिए श्रनुमानतः रु०.	(लागत-बीमा-भाडा)
मूल्य के लिए सहायता दी जाए।	
2 उक्त सविदा के निष्पादन	के लिए सर्वश्रीवाणिज्य
	ीसी (पीएन)/77 दिनांक 2 9 –9–77 के <mark>अधी</mark> न
	ागत-बीमा-भाडा) मूल्य के कच्चे माल/संघटको के
	ाई दिल्ली को श्रावेदन कर रहे हैं। एत्द्द्वारा यह
	ाया गया है। इस प्रकार श्रावेदित मदो का मूल्य
	गागत-बीमा-भाड़ा मूल्य से ग्रधिक नही है ।
THE THE PROPERTY OF THE PERSON	man and the first terms of the f
	हस्ताक्षर
स्थान	(साफ साफ शब्दो मे नाम)
दिनांक	पद
कार्यालय मोहर	
बोर्ड मकहप सं०	
दिनाक	के भ्रनुसार
लगाना ।	·
	दर्भित वस्तुग्रो की सूची के प्रश्येक पृष्ठ पर परि-
योजना प्राधिकारी द्वारा ह <u>स</u> ्त	।।क्षर किए होने चाहिएं भ्रौर मोहर लगी होनी
चाहिए ।	
	क्स० वे० सोपाद्रि,

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मृद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा मृद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977